

उदयास्त पुं. (तत्.) 1. उदय और अस्त होने की क्रिया 2. उत्कर्ष-अपकर्ष, उत्थान और पतन 3. बनना-बिगड़ना।

उदरंभरि वि. (तत्.) 1. पेट, केवल अपनी चिंता करने वाला उदा. उदरंभरि बन अनात्म बन गए- मुक्तिबोध 2. अपने पेट का भरण-पोषण करने वाला 3. स्वार्थी।

उदर पुं. (तत्.) 1. आयु/जंतु. प्राणियों में वक्ष और श्रोणि के बीच का वह भाग जिसके अंदर जठर, आँतें, वृक्क, मूत्राशय, गर्भाशय आदि होते हैं 2. पेट, जठर 3. मध्य भाग, पेटा, वस्तु का भीतरी भाग मुहा. उदर जिलाना-पेट पालना उदर भरना-पेट भरना।

उदरस्थ वि. (तत्.) 1. खाया हुआ, भक्षित 2. हजम किया हुआ, पेट के अंदर पहुँचाया हुआ।

उदराग्नि स्त्री (तत्.) जठराग्नि, पाचन-शक्ति।

उदरिक वि. (तत्.) 1. बड़े पेटवाला, तुंदिल मोटा, स्थूलकाय 2. बहुत खाने वाला, पेटू।

उदरिणी स्त्री. (तत्.) वह स्त्री जो गर्भवती हो, गर्भिणी, अंतर्वर्ती, अंतर्वर्तिनी, अंतर्वत्नी।

उदरित वि. (तत्.) दे. उदरिक।

उदरीय वि. (तत्.) पेट से संबंधित, उदर का, जैसे- उदरीय व्याधि।

उदरीय प्रतिवर्त पुं. (तत्.) अचानक किसी कारणवश उदर की मांसपेशियों में हलचल हो जाना, मांसपेशियों का सिकुड़ जाना, उनमें ऐंठन आ जाना। abdominal reflex

उदरु/उंदुर पुं. (तत्.) चूहा।

उदर्य वि. (तत्.) दे. उदरीय पुं. पेट में स्थित अंग आदि।

उदवास पुं. (तत्.) 1. (तप के लिए) एक निश्चित अवधि तक जल में निरंतर खड़े रहना 2. जल के बीच में स्थित कोई आवास या महल 3. जलस्थान के अत्यंत निकट कोई आवास-स्थान।

उदात्त वि. (तत्.) 1. ऊँचा, कुलीन 2. दयावान, कृपालु, उदार 2. श्रेष्ठ, विशद 3. ऊँचे स्वर से किया उच्चारण पुं. (तत्.) 1. वेद के स्वरों के उच्चारण का एक भेद जो तालु आदि के ऊपर वाले भाग की सहायता से होता है, उदात्त स्वर, आरोही स्वर 2. साहि. एक काव्यालंकार जिसमें संभाव्य विभूति का बढ़ा-चढ़ा कर वर्णन किया जाता है।

उदात्तीकरण पुं. (तत्.) उदात्त स्वरूप प्रदान करने की क्रिया, अनुभूतियों को मनोवैज्ञानिक प्रक्रिया से उच्च भूमि पर स्थापित करना। जैसे- घनानंद के काव्य में लौकिक प्रेम का अलौकिक प्रेम में उदात्तीकरण दृष्टिगत होता है।

उदान पुं. (तत्.) दर्श. 1. प्राण के पाँच भेदों में से एक जिसका स्थान कंठ और गति हृदय से कंठ तालु तक है 2. वह प्राण वायु जिससे छीकें, डकार आदि आते हैं तु. प्राण, अपान, समान, व्यान।

उदार वि. (तत्.) 1. दानशील, दानी 2. सहिष्णु 3. प्रगतिशील विचारों का समर्थक जो रुढ़ियों में सुधार चाहता है।

उदारचरित वि. (तत्.) जिसके चित्त या विचारों में संकीर्णता न हो, सभी के विचारों का स्वागत करने वाला।

उदारचेता वि. (तत्.) ऊँचे दिल वाला, उदारमना।

उदारता स्त्री. (तत्.) दानशीलता, उदार स्वभाव, सहिष्णुता।

उदारतावाद पुं. (तत्.) वह मत या सिद्धांत जिसके अनुसार प्रत्येक व्यक्ति को स्वतंत्र और सुविधायुक्त जीवन जीने का अधिकार होना चाहिए। liberalism

उदारधी वि. (तत्.) अत्यंत प्रतिभाशाली, तीक्ष्ण बुद्धिवाला, उदारचेता।

उदारमना वि. (तत्.) दे. उदारचित्त।

उदारवाद पुं. (तत्.) सत्रहवीं-अठारहवीं शताब्दियों में यूरोप में प्रचलित राज्य के शासक की